शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

के तत्वावधान में

एक दिवसीय कार्यशाला

''बाद्धिक सम्पदा अधिकार : नीति एवं प्रक्रिया''

IPR : Policy and Procedure

02 जुलाई, 2022

कार्यक्रम विवरण

गतिविधियाँ				समय
दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत	:	अतिथि एवं माननीया कुलपति जी का निदेशक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा स्वागत	–	पूर्वाह्न 11:30 से 11:45 तक
प्रथम तकनीकी सत्र	:	"शोध के सन्दर्भ में बौद्धिक सम्पदा अधिकार" डॉ0 बी0 के0 सिहं, पुस्तकालयाध्यक्ष, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज		पूर्वाह्न 11:45 से अपरान्ह्न 01:15 तक
		मध्यावकाश		अपरान्ह्न 01:15 से अपरान्ह्न 02:15 तक
द्वितीय तकनीकी सत्र	:	"विश्वविद्यालय में लागू बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति" प्रो0 ओम जी गुप्ता निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	–	अपरान्ह्न 02:15 से अपरान्ह्न 02:45 तक
तृतीय तकनीकी सत्र एवं प्रशिक्षण उद्बोधन		"शोध में साहित्यिक चोरी" डॉ0 सुधाकर मिश्रा, सूचना वैज्ञानिक, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज	–	अपरान्ह्न 02:45 से अपरान्ह्न 04:15 तक
धन्यवाद ज्ञापन		प्रो0 विनोद कुमार गुप्त, आचार्य संस्कृत, *उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज*	–	
संचालन : डॉ0 आर0 जे मौर्य, सह पुस्ताकालयाध्यक्ष, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज				

Report

July, 2, 2022

Today in Saraswati campus of UPRTOU, one-day Workshop on Intellectual Property Rights (IPR): Policy and Procedure was organised by Prof. P. K. Pandey, Director, Research and Development Cell (RDC), UPRTOU. This workshop was divided into 3 technical sessions and details are elaborated below.

The workshop was inaugurated by the lightning of the lampand garlanding of Saraswati jiby Hon'ble Vice Chancellor of UPRTOU, Prof.Seema Singh; Chief guest/ speaker Dr. B K Singh, Librarian, University of Allahabad, Prayagraj;Prof. Om Ji Gupta, Director, Management Sciences, UPRTOU;Prof. P. K. Pandey, and the Registrar, UPRTOU along with other associated members of the workshop. A flower bouquet was presented to Hon'ble Vice Chancellor by Prof. J. P. Yadav andto Dr. B. K. Singh by Prof.Vinod Kumar Gupta.

First Technical Session:

The speaker of this session was Dr. B. K. Singh who presented his talk on a popular topic "Intellectual Property Right (IPR) in Context of Research**".** He presented 3 main features of IPR- originality, creativity by human mind, and evidence of recording in any ways. Dr. Singh has made clear to the audience that no IPR is regulated at global level; each country has its own IPR law. Dr. Singh also cleared difference between copyright and plagiarism. Copyright has legal aspects whileplagiarism has ethical concern only. The research material will be considered plagiarised only if it is without citation and to avoid it one must cite the original author. He explained different kinds of plagiarism like Oral plagiarism, and self-plagiarism and to check it,different software are available in the market like- Viper, Turnitin, Maulik, Urkund (Ouriginal), iThenticate etc. In India, the Copyright act was revised in 2012 to add protection of digital content. He further added that the Government is providing education to all but the resources are copyrighted. For example, University has copyright for thesis, dissertation, research project, learning materials etc.

On academic and research integrity, Dr. Singh emphasized on 3 main points: Propose, Perform and Evaluation for the improvement of research quality. He elaborated research misconduct and explained FFP: Fabrication, Falsification and Plagiarism. He added that The International Centre for Academic Integrity (ICAI) has identified 5 fundamental values of academic integrity: Honesty, Trust, Fairness, Respect and Responsibility for good scientific practices. On the

research publication, Dr. Singh also told about peer-reviewed, predatory and UGC initiatives for its care- listed journals. During the question session, Dr. Singh satisfied every one by his answer.

The Chairman address was delivered by Hon'ble Vice Chancellor, Prof.Seema Singh. She appreciated the talk of Dr. B. K. Singh and requested the teaching fraternity to adapt and be aware of IPR. She requested the organizer to organize this kind of programs for Ph. D. scholars also.

Second Technical Session:

This session was chaired by Prof. Om Ji Gupta, Director, Management Sciences, UPRTOU and speaker was Mr.Sudhakar Mishra, Information Scientist, University of Allahabad, Prayagraj and he delivered talk on the topic "Plagiarism: A practical to Ouriginal tool". He further explained plagiarism in detail and demonstrated live using 'Ouriginal' tool (previously known as Urkund, provided by the UGC, New Delhi) to check plagiarism. He added that no software/ tool is perfect to detect the plagiarism. In order to check the plagiarism, 3 stage are there to control by means of 3 accounts. First of all, an Administrative account will be created by the Librarian, who in turn will open a receiver (supervisor) account and a submitter (student/ scholar) account. The student will submit the document on Ouriginal platform and result/s will be sent to the receiver's account after the checking. The receiver in turn will go to each highlighted text and will analyse the contents. The analysis report (final score of level of plagiarism) will be reflected after this only.

Third Technical Session:

The speaker of this session was Prof. Om Ji Gupta, Director, Management Sciences, UPRTOU, Prayagraj. He talked about "IPR policies implemented in the University (UPRTOU)". Prof. Gupta told the audience that CIQA has responsibility for the implementation of IPR in this university. It is framed in 3 categories: patentable items, copyrightable and trade-marks/ service mark/ logos; these are further divided in to 15 sub-categories. Prof. Gupta also presented the Research Promotion Policy of the University to extend facilities and promotion to both faculties as well as research scholars.

At the end of the workshop, Prof.Vinod Kumar Gupta has delivered 'Vote of Thanks' and emphasized to conduct this kind of workshop in future also. In this one-day workshop, about 70 participants were present.

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

02 जुलाई, 2022

मुक्त चिन्तन

मुविवि में बौद्धिक संपदा अधिकार : नीति एवं प्रक्रिया'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं कार्यक्रम के वक्ता डॉ. बी. के. सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के तत्वाधान में दिनांक 02 जुलाई, 2022 को पूर्वाहन 11:00 बजे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **''बौद्धिक संपदा अधिकार : नीति एवं प्रक्रिया''** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के वक्ता डॉ. बी. के. सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ. सुधाकर मिश्रा, सूचना वैज्ञानिक, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ. आर. जे. मौर्या

अतिथियों का स्वागत तथा विषय प्रवर्तन कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय, ने किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. आर. जे. मौर्या ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापित कार्यक्रम संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्त ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। उक्त कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं निदेशकों के अतिरिक्त लगभग 60 शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया

माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 जे0 पी0 यादव

कार्यक्रम के वक्ता डॉ. बी. के. सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता

अतिथियों का स्वागत तथा विषय प्रवर्तन कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय

अतिथियों का स्वागत एवं विषय परिवर्तन करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी.के पाण्डेय ने कहा की उच्च शिक्षा का मुख्य उद्देश्य ज्ञान का सृजन है।

बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता आवश्यक है : डॉ0 बी. के. सिंह

डॉ0 बी0 के0 सिंह

प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 बी0 के0 सिंह ने भौतिक संपदा अधिकार के विभिन्न वैधानिक एवं नीतिगत बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शोध में सत्य निष्ठा और नैतिकता दोनों जरूरी है। इसी के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भी प्रयास कर रहा है। डॉ0 सिंह ने कहा बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता आवश्यक है

शोध में नैतिकता जरूरी है : कुलपति

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि आज की यह कार्यशाला शोधार्थियों के लिए तो आवश्यक है ही, परंतु उससे ज्यादा शिक्षकों एवं शोध निर्देशको के लिए आवश्यक है। उन्होंने शोध में नैतिकता तथा साहित्य चोरी के प्रायोगिक पक्ष पर सब का ध्यान आकृष्ट कराया। माननीया कुलपति जी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय में लगातार किया जाना शोध में गुणवत्ता उन्नयन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध में नैतिकता जरूरी है।

धन्यवाद ज्ञापित कार्यक्रम संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्त

वृक्षारोपण

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर
में
वृक्षारोपण करती हुई
माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी,
वक्ता डॉ0 बी0 के0 सिंह जी
एवं
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र वक्ता प्रो. ओमजी गुप्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो० पी० के० पाण्डेय

प्रो. ओमजी गुप्ता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के तत्वाधान में **"बौद्धिक संपदा अधिकार : नीति एवं प्रक्रिया"** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय सत्र के वक्ता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक, प्रो. ओमजी गुप्ता ने विश्वविद्यालय की बौद्धिक संपदा अधिकार नीति तथा शोध संबंधी विभिन्न प्रावधानों एवं विश्वविद्यालय की नीतियों से सब को परिचित कराया।

तृतीय सत्र

तृतीय सत्र के वक्ता डॉ. सुधाकर मिश्रा जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

डॉ. सुधाकर मिश्रा

तृतीय तकनीकी सत्र पूर्णतया प्रशिक्षण से संबंधित रहा जिसमें इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सूचना वैज्ञानिक श्री सुधीर कुमार मिश्र ने सभी को साहित्य चोरी की जांच, विश्लेषण एवं आख्या तैयार करने से संबंधित जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया।